मुसाफिर जागते रहना नगर में चोर आते है लिरिक्स

मुसाफिर जागते रहना,
नगर में चोर आते है,
जरा सी नींद गफलत में,
झपट गठरी उठाते है,
मुसाफिर जागतें रहना,
नगर में चोर आते है।bd।

तर्ज – पकड़ लो हाथ।

संभालो माल अपने को,
बांधकर धर सिरहाने में,
जरा सी नींद गफलत में,
झपट गठरी उठाते है,
मुसाफिर जागतें रहना,
नगर में चोर आते है।bd।

कपट का है यहाँ चलना,
सभी व्यापार दिन राती,
दिखाकर सूरते सुंदर,
जाल में यह फसाते है,
मुसाफिर जागतें रहना,
नगर में चोर आते है।bd।

कभी किसी का नहीं करना,
भरोसा इस जमाने में,
लगाकर प्रीत मतलब से,
ये हर पल में हटाते है,
मुसाफिर जागतें रहना,
नगर में चोर आते है।bd।

ठिकाना है नहीं करना,
किसी का इस सराय में,
वो 'ब्रह्मानन्द' दिन दिन में,
सभी चल चल कर जाते,
मुसाफिर जागते रहना,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

नगर में चोर आते है।bd।

मुसाफिर जागते रहना,
नगर में चोर आते है,
जरा सी नींद गफलत में,
झपट गठरी उठाते है,
मुसाफिर जागतें रहना,
नगर में चोर आते है।bd।

Singer – Upasana Mehta

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com